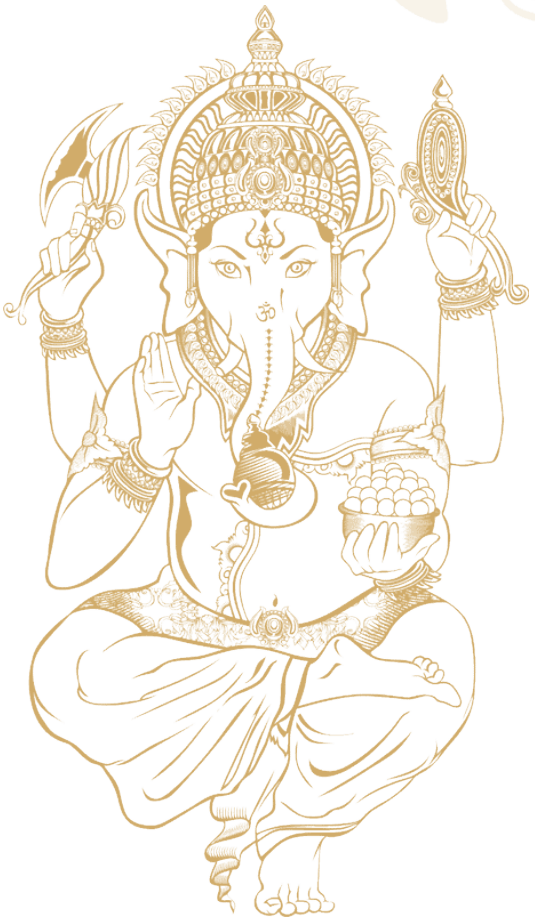

Mahima

11 Jun 2003

08:15 AM

Bihta

Model: web-freekundliweb

Order No: 121244502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/06/2003**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:15:00 घंटे**
इष्ट	08:09:28 घटी
स्थान	**Bihta**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:34:00 उत्तर
रेखांश	84:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:24:24 घंटे
वेलान्तर	00:00:30 घंटे
साम्पातिक काल	01:40:33 घंटे
सूर्योदय	04:59:12 घंटे
सूर्यास्त	18:41:08 घंटे
दिनमान	13:41:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	25:53:53 वृष
लग्न के अंश	08:44:46 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	परिघ
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रु-रूपा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	08:44:46	311:45:02	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			वृष	25:53:53	00:57:21	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	09:13:08	14:41:53	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			कुंभ	03:27:18	00:27:28	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			वृष	03:20:20	01:22:00	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	20:28:21	00:09:57	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			वृष	07:16:36	01:13:02	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	स्वराशि
शनि		अ	मिथु	06:59:56	00:07:43	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
राहु			वृष	05:29:45	00:01:06	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	05:29:45	00:01:06	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	08:54:49	00:00:11	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	19:06:22	00:00:48	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	24:40:11	00:01:36	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मेष	03:11:02	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:03

लग्न-चलित

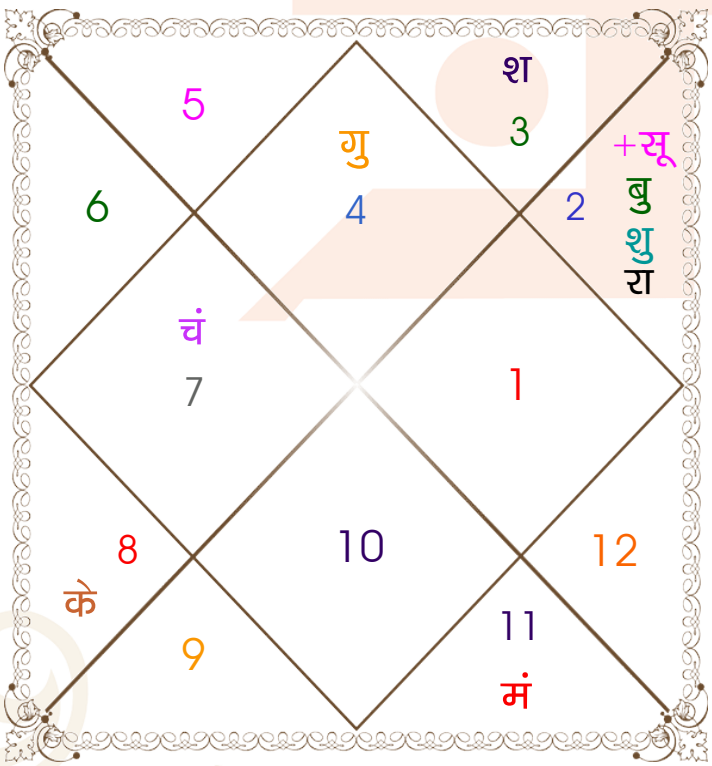

चन्द्र कुंडली

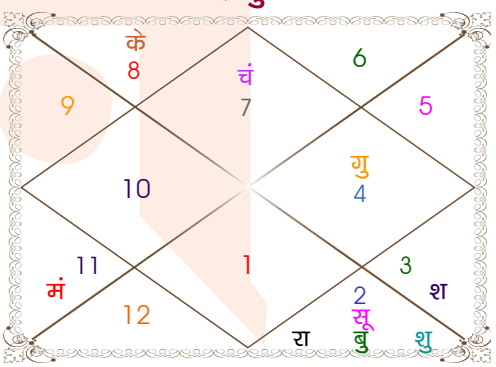

नवमांश कुंडली

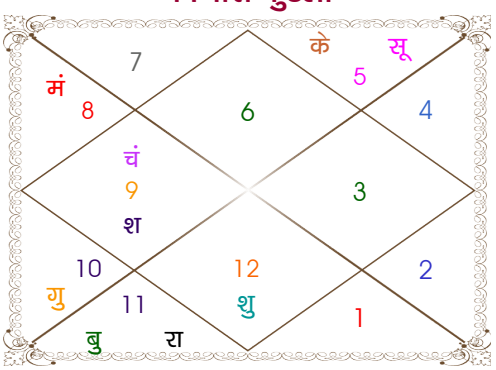

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 6 मास 19 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/06/2003		30/12/2017		30/12/2033		30/12/2052		30/12/2069	
30/12/2017		30/12/2033		30/12/2052		30/12/2069		30/12/2076	
	11/06/2003	गुरु	17/02/2020	शनि	02/01/2037	बुध	28/05/2055	केतु	28/05/2070
गुरु	04/02/2005	शनि	30/08/2022	बुध	12/09/2039	केतु	24/05/2056	शुक्र	28/07/2071
शनि	12/12/2007	बुध	05/12/2024	केतु	21/10/2040	शुक्र	25/03/2059	सूर्य	03/12/2071
बुध	30/06/2010	केतु	11/11/2025	शुक्र	21/12/2043	सूर्य	30/01/2060	चंद्र	03/07/2072
केतु	19/07/2011	शुक्र	12/07/2028	सूर्य	02/12/2044	चंद्र	30/06/2061	मंगल	29/11/2072
शुक्र	19/07/2014	सूर्य	30/04/2029	चंद्र	03/07/2046	मंगल	27/06/2062	राहु	18/12/2073
सूर्य	12/06/2015	चंद्र	30/08/2030	मंगल	12/08/2047	राहु	14/01/2065	गुरु	24/11/2074
चंद्र	11/12/2016	मंगल	06/08/2031	राहु	18/06/2050	गुरु	22/04/2067	शनि	02/01/2076
मंगल	30/12/2017	राहु	30/12/2033	गुरु	30/12/2052	शनि	30/12/2069	बुध	30/12/2076

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
30/12/2076		30/12/2096		31/12/2102		31/12/2112		31/12/2119	
30/12/2096		31/12/2102		31/12/2112		31/12/2119		00/00/0000	
शुक्र	30/04/2080	सूर्य	18/04/2097	चंद्र	31/10/2103	मंगल	29/05/2113	राहु	12/09/2122
सूर्य	30/04/2081	चंद्र	18/10/2097	मंगल	01/06/2104	राहु	16/06/2114	गुरु	12/06/2123
चंद्र	30/12/2082	मंगल	23/02/2098	राहु	30/11/2105	गुरु	23/05/2115		00/00/0000
मंगल	29/02/2084	राहु	17/01/2099	गुरु	01/04/2107	शनि	01/07/2116		00/00/0000
राहु	01/03/2087	गुरु	06/11/2099	शनि	31/10/2108	बुध	28/06/2117		00/00/0000
गुरु	30/10/2089	शनि	19/10/2100	बुध	01/04/2110	केतु	24/11/2117		00/00/0000
शनि	30/12/2092	बुध	25/08/2101	केतु	31/10/2110	शुक्र	24/01/2119		00/00/0000
बुध	30/10/2095	केतु	31/12/2101	शुक्र	01/07/2112	सूर्य	01/06/2119		00/00/0000
केतु	30/12/2096	शुक्र	31/12/2102	सूर्य	31/12/2112	चंद्र	31/12/2119		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 6 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।